CH. CHARAN SINGH COLLEGE OF EDUCATION & TECHNOLOGY

SADARPUR, MEERUT

B.Ed.

SESSION-20.20..-20.21..

B.Ed. Final Year

TOPIC/FILE NAME. Work Education, Gandhiji's Nai Talim & Community Engagement.

Submitted to:
Vinod & manoj Sir.

submitted by:
Shilpi Chaudhary

Scanned with OKEN Scanner

Topic Date

S.No	Date	Title	Page No.	Signature
1-		कार्य का अर्थ		
2-		कार्य की परिभाषा		
3-		कार्यानुभाव का अर्थ एवं परिभाषा		
4-		गाँधी जी के शिक्षा के सन्दर्भ में विचार		
5-		गाँधी जी के अनुसार पाठ्यक्रम		
6-		नई तालीम		
7-		नई तालीम के मूल-भूत सिद्धान्त		
8-		नई तालीम का पाठ्क्रम		
9-		नई तालीम की समन्वय योजना।		

COLOUR STAR

TOPIC ______ DATE ______

अभिस्वीकृति

मैं अपने अध्यापकों को धन्यवाद करना चाहूँगी जिन्होंने मुझे इस विषय पर परियोजना बनाने का सुनहरा अवसर प्रदान किया। मैं अपने सहपाठियों व अध्यापकों को भी धन्यवाद करूँगी। जिन्होंने मुझे सीमित समय सीमा के भीतर इस परियोजना को अंतिम रूप देने में मेरी बहुत मदद की है।
मैं उनको धन्यवाद करना चाहूँगी।

Teacher's Signature............

Vidhata High Class Products P-10

Scanned with OKEN Scanner

TOPIC________________ DATE__________

कार्य शिक्षा, और गाँधी जी की नई तालीम के सन्दर्भ में :-

कार्य का अर्थ :-

Meaning of Work

अपने दिन प्रतिदिन प्रातःकाल के या सांय काल मे स्वयं को किसी भी प्रकार की गतिविधियों मे संलग्न पाते है।

कुछ गतिविधीया शरीर से कुछ इन्द्रियो या मस्तिष्क के सक्रिय रहने पर करते है। जब आपका मस्तिष्क सक्रिय है तब आप इसे मानसिक कार्य की संज्ञा देते है। और जब आप हाथ-पैर से कियाशील होते है तब आप इसे शारिरिक कार्य की संज्ञा देतहै।

कार्य की गतिविधियाँ –

- आप जिस घर मे रहते है उसके निर्माण मे किसका श्रम निहित है। उस घर मे लगी ईट बनाने मे।
- भोजन की पूर्ति करने के लिए, अनाज के लिए।
- घर आँगन से लेकर सार्वजनिक स्थलो कीसाफ सफाई तक के लिए।

Teacher's Signature.................................

Vidhata High Class Products P-10

Topic ____ Date ____ Page ____

कार्यानुभव का अर्थ एवं परिभाषा
(Meaning & definition of Work Experience)

कार्यानुभव शिक्षा के साथ शारीरिक श्रम को इस प्रकार जोड़ने की प्रक्रिया है कि उससे व्यक्ति, समाज या समुदाय के लिए किसी उपयोगी सेवा या वस्तु का सृजन हो सके।

ईश्वर भाई पटेल समीति ने कार्यानुभव को इस प्रकार परिभाषित किया है -
"कार्यानुभव शिक्षार्थी और समुदाय की आवश्यकताओं पूर्ति से सम्बन्धित सोद्देश्य, अर्थपूर्ण हस्त कार्य है। जिसका परिणाम किसी वस्तु निर्माण अथवा ऐसे से कार्य के रूप में है जो समुदाय के लिए उपयोगी सिद्ध हो।

कार्यानुभव के महत्व :-

- बालकों में श्रम के प्रति निष्ठा भाव का जाग्रत होना।
- उत्पादन की नई तकनीकों में बालक का दक्ष होना।
- स्वालम्बन की चेतना का विकास होना।
- समूह भावना का बीजारोपण।

Teacher's Signature..

Vidhata High Class Products P-9

Scanned with OKEN Scanner

If I had
no sense of humor,
I would long ago
have committed suicide.

Mahatma Gandhi

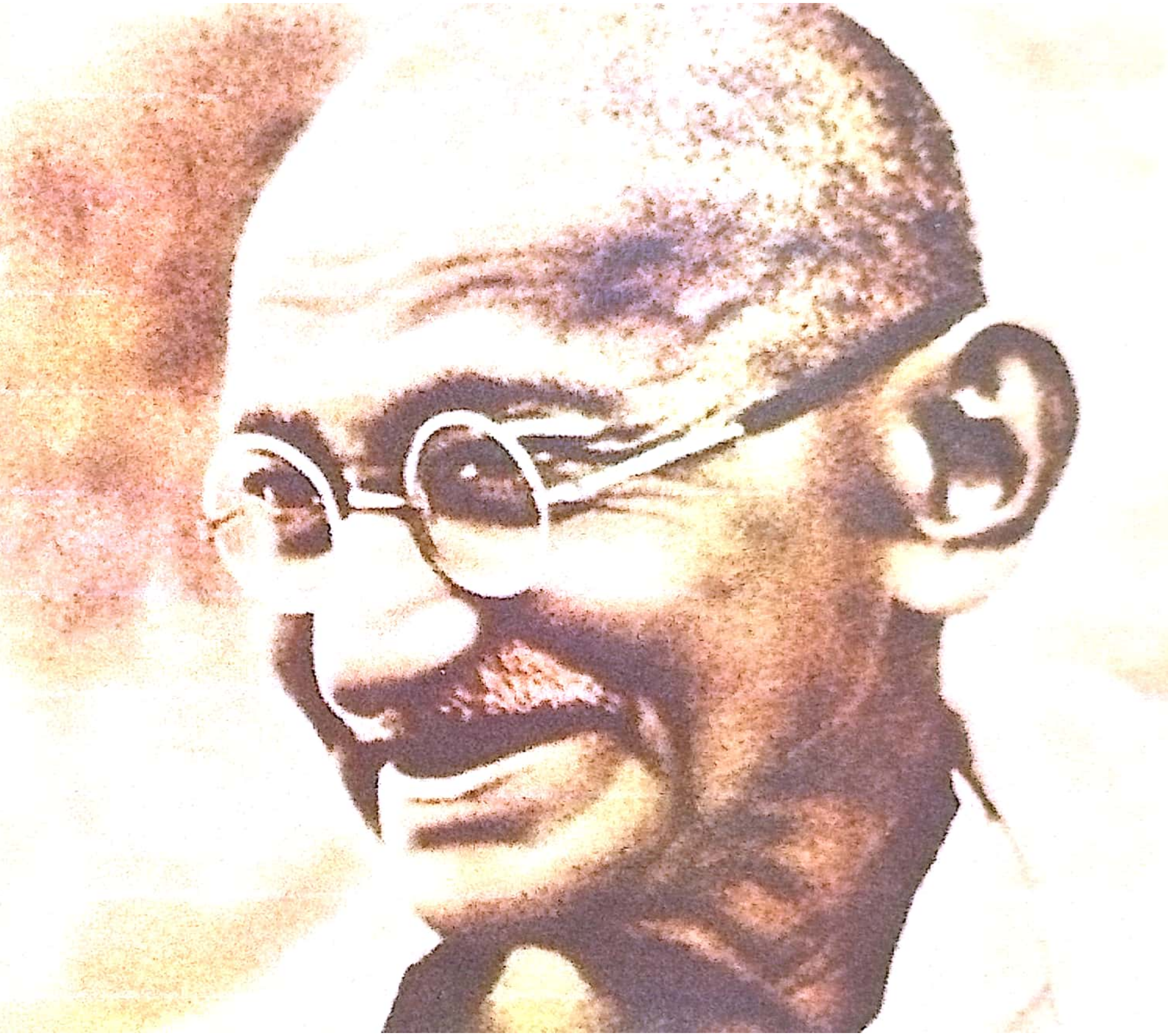

Scanned with OKEN Scanner

Topic   Date

कार्यानुभव का उद्देश्य -

- छात्रों को बेरोजगारी की समस्या से मुक्ति दिलाना।
- शारीरिक व मानसिक विकास करना।
- उनके नैतिक गुणों का विकास करना।
- उनके चरित्र का निर्माण करना।

- गाँधी जी के शिक्षा के सन्दर्भ में विचार -

(Gandhiji's ideas on Education)

गाँधी दृष्टि – जीवन और जगत के विषय में दृष्टि को अपनी आधारभूत को ही दर्शन कहते हैं। प्रत्येक दर्शन अपनी आधारभूत विशेष दृष्टि होती है। भगवान महावीर ने सत्य निरूपण में अनेकांत और शंकराचार्य ने "अद्वैत दृष्टि अपनायी।

गाँधी जी किसी गुरु या ग्रन्थ, किसी वाद या सिद्धान्त किसी व्यक्ति या समुदाय से बंध नहीं थे। उन्हें केवल एक ही निष्ठा थी सत्य-निष्ठा उनकी यह सत्य निष्ठा किसी ग्रन्थ या सिद्धान्त से फलित नहीं थी। यह तो उनकी स्वतः अनुभव और स्वतः प्रयुक्त एक प्रायोगिक निष्ठा थी।

गाँधी जी के अनुसार शिक्षा का आशय :-

गाँधी जी ने सहायता और शिक्षा दोनों को अलग-2 माना और उनका कहना था "साक्षरता न तो शिक्षा का अन्त और न प्रारम्भ, यह केवल एक साधन है, जिनके द्वारा पुरुष और स्त्रियों को शिक्षित किया जाता था।

COLOUR STAR

Scanned with OKEN Scanner

TOPIC DATE

गाँधी जी के अनुसार शिक्षा की परिभाषा :-

"शिक्षा से मेरा अभिप्राय बालक एवं मनुष्य के शरीर मस्तिष्क और आत्मा के सर्वोत्तम गुणों के चतुर्मुखी विकास से है।

शिक्षा के उद्देश्य -

गाँधी दर्शन मानव जीवन का उद्देश्य मुक्ति की प्राप्ति को मानता है। यह मुक्ति शारीरिक मानसिक आर्थिक राजनैतिक भी है और आत्मिक भी। शिक्षा का कार्य दोनो प्रकार की मुक्ति के लिए व्यक्ति को तैयार करना होगा। गाँधी जी के शिक्षा-चिंतन में मूल रूप से दो प्रकार के उद्देश्य की व्याख्या देखने को मिलती है।

(i) शिक्षा के तात्कालिक उद्देश्य
(ii) शिक्षा के सर्वोच्च उद्देश्य

गाँधी जी के अनुसार पाठ्यक्रम -

- पाठ्यक्रम केवल बौद्धिक विषयों की गणना ही न हो। इसमें व्यक्तित्व विकास के लिए आवश्यक विविध क्रियाकलापों का भी समावेश हो।

Scanned with OKEN Scanner

Topic_______ Date_______ Page_______

- पाठ्यक्रम वैविध्य एवं लचीला होना चाहिए।
- व्यक्तिक विभिन्नता के अनुसार प्रत्येक छात्र के लिए उपयोगी होना चाहिए।
- भावी धंधे-रोजगार के जीवन के लिए छात्रों को तैयार करना पाठ्यक्रम का उद्देश्य होना चाहिए।
- बेहतर जीवन का प्रशिक्षण भी पाठ्यक्रम का अंग होना चाहिए।

गाँधी जी की शिक्षण विधियाँ –

(1) अनुकरण विधि

(2) क्रिया विधि

(3) अनुभव द्वारा सीखना

(4) सहसम्बन्ध विधि

(5) मौखिक विधि

(6) शिल्प के माध्यम से शिक्षण

(7) श्रवण मनन निदिध्यासन

Teacher's Signature..........

Vidhata High Class Products P-9

Scanned with OKEN Scanner

TOPIC DATE

तत्पश्चात् इस पर सम्मेलन में भाग लेने वाले शिक्षाविदों ने योजना पर विचार-विमर्श कर इस योजना को लागू किया जिसे नई तालीम/बेसिक शिक्षा/वर्धा योजना नामों से जाना गया।

नई तालीम में निम्न प्रस्ताव पास हुए-

- इस सम्मेलन की राय में राष्ट्र के सभी बच्चों को सातवीं कक्षा तक निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा दी जानी चाहिए।
- शिक्षा का माध्यम मातृभाषा होना चाहिए।
- सात वर्ष की सम्पूर्ण अवधि में शिक्षा का माध्यम बिन्दु हस्तशिल्प होना चाहिए।
- शिक्षा का चुनाव बच्चों के वातावरण को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए।
- इस प्रणाली के द्वारा धीरे-2 अध्यापक के वेतन का व्यय निकालना चाहिए।

Teacher's Signature..

Vidhata High Class Products P-10

मूलभूत सिद्धान्त
Fundamental Principles

- निःशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा
- अहिंसा का सिद्धान्त
- शिक्षा का माध्यम मातृभाषा
- आदर्श नागरिक
- शिल्पाधारित शिक्षा
- आत्मनिर्भरता
- जीवन के साथ सम्बन्ध

नई तालीम के मनोवैज्ञानिक सिद्धान्त –
(Psychological principles of Nai Talim)

- बाल केन्द्रिता।
- सह सम्बन्ध।
- करके सीखना।
- जीवन केन्द्रित शिक्षा।
- खेल तथा रचनात्मक कार्य।
- क्रिया एवं रुचि।
- मूल प्रवृत्तियों की उपयोगिता।
- प्रेम और सहानुभूति।

नई तालीम के उद्देश्य –

गाँधी जी के विचार ही उनकी नई तालीम के उद्देश्य है:-

- चारित्रिक एवं नैतिक विकास।

Vidhata High Class Products P-9

Scanned with OKEN Scanner

TOPIC ____ DATE ____

- शारीरिक तथा मानसिक विकास।
- सांस्कृतिक विकास।
- आदर्श नागरिकता का विकास।
- आत्मनिर्भरता की प्राप्ति।
- स्वावलम्बन।
- राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाना।
- राष्ट्र पर बिना बोझ बड़े शिक्षा व्यवस्था करना।
- शिल्प द्वारा विषयों को सहसम्बन्धित करके पढ़ाना।
- सर्वोदय समाज की स्थापना।

नई तालीम का पाठ्यक्रम –

Curriculum of Nai Talim –

- मातृभाषा।
- संगीत।
- व्यावहारिक गणित।
- चित्रकला।
- सामाजिक विषय (इतिहास, भूगोल, नागरिकशास्त्र)।
- स्वास्थ्य विज्ञान।
- सामान्य विज्ञान।
- आधारभूत शिल्प शिक्षा।

Teacher's Signature..........

TOPIC ______ DATE ______

- शारीरिक तथा मानसिक विकास।
- सांस्कृतिक विकास।
- आदर्श नागरिकता का विकास।
- आत्मनिर्भरता की प्राप्ति।
- स्वावलम्बन।
- राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाना।
- राष्ट्र पर बिना बोझ बड़े शिक्षा व्यवस्था करना।
- शिल्प द्वारा विषयों का सहसम्बन्धित करके पढ़ाना।
- सर्वोदय समाज की स्थापना।

नई तालीम का पाठ्यक्रम -

Curriculum of Nai Talim -

- मातृभाषा।
- संगीत।
- व्यावहारिक गणित।
- चित्रकला।
- सामाजिक विषय (इतिहास, भूगोल, नागरिकशास्त्र)।
- स्वास्थ्य विज्ञान।
- सामान्य विज्ञान।
- आधारभूत शिल्प शिक्षा।

Teacher's Signature..........

Vidhata High Class Products P-10

Scanned with OKEN Scanner

TOPIC ____________________ DATE ________

नई तालीम की समय-सारणी
(Time-table of Nai Talim)

क्र० सं०	विषय	समय
1	आधारभूत शिल्प	3 घंटे 20 मि०
2	मातृभाषा	40 मिनट
3	संगीत, चित्रकला और गणित	40 मिनट
4	सामाजिक अध्ययन और सामान्य विज्ञान	30 मिनट
5	शारीरिक शिक्षा	10 मिनट
6	अल्पवकाश	10 मिनट
	कुल समय	5 घंटे 30 मिनट

नई तालीम की समन्वय योजना :-
(Planning of Co-relation)

1- **योजना का निर्माण** - अध्यापक और शिक्षार्थियों को मिलकर कक्षानुसार पूरे वर्ष की शिक्षा की योजना बनाना और उसे मासिक साप्ताहिक तथा दैनिक कार्यों में विभक्त कर देना।

2) **उपकरणों की व्यवस्था** :- योजना निर्माण के पश्चात उसके लिए आवश्यक उपकरण जैसे कच्चा माल तथा यन्त्रादि

Topic ______ Date ______ Page ______

की व्यवस्था सुनिश्चित करना।

3) क्रियान्वयन करना। - योजना को क्रियान्वित करने का कार्य प्रारम्भ कर दिया जाना चाहिए ऐसा करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि योजना में जिस कार्य हेतु जितना समय दिया गया है उतने में कार्य पूर्ण कर लिया जाए।

4) मूल्यांकन - कार्य के बाद मूल्यांकन आवश्यक है। यह मानसिक क्रियात्मक हो सकता है।

5) अनुभव को लेखनीबद्ध करना - सबसे बाद का कार्य से प्राप्त अनुभवों को लेखनीबद्ध किया जाना चाहिए ताकि भविष्य में कठिनाई को सुलझाने में सहायता प्राप्त हो।

Teacher's Signature..........................